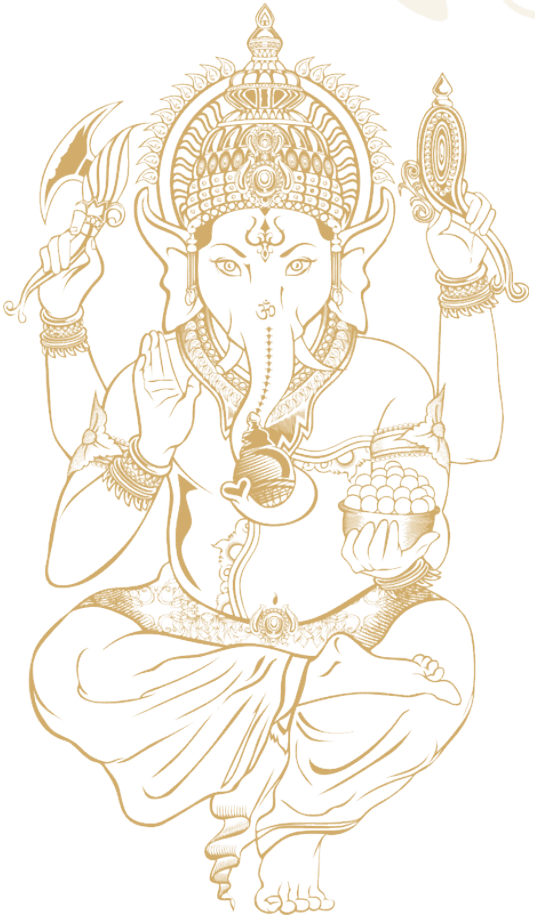

Mr. Lashit

04 Aug 1999

02:22 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120557502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/08/1999**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:22:00 घंटे**
इष्ट	51:36:44 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:00:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:13 घंटे
साम्पातिक काल	22:48:50 घंटे
सूर्योदय	05:43:18 घंटे
सूर्यास्त	19:10:53 घंटे
दिनमान	13:27:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:13:34 कर्क
लग्न के अंश	02:21:43 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शूल
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:21:43	337:06:20	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			कर्क	17:13:34	00:57:26	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	05:59:30	13:58:43	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			तुला	18:57:56	00:30:51	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध	व		कर्क	05:00:21	00:14:00	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			मेष	10:24:17	00:04:05	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	10:49:50	00:11:20	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मेष	22:44:01	00:02:42	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु			कर्क	19:06:36	00:00:02	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु			मक	19:06:36	00:00:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	21:07:26	00:02:23	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	08:53:56	00:01:36	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:57:08	00:00:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	16:52:03	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:53

लग्न-चलित

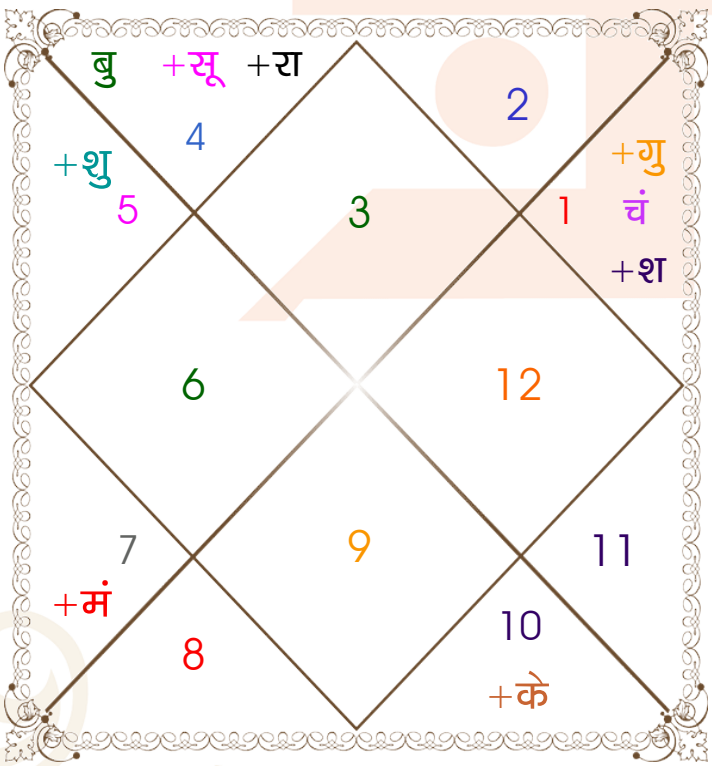

चन्द्र कुंडली

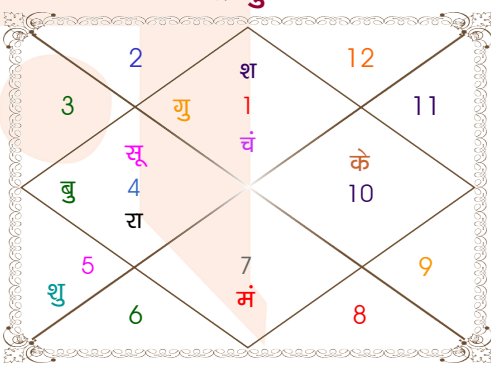

नवमांश कुंडली

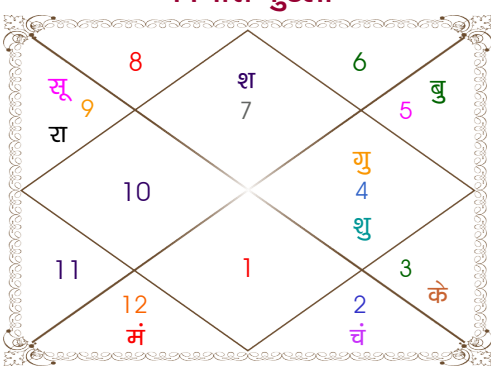

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 10 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/08/1999		11/06/2003		11/06/2023		11/06/2029		11/06/2039	
11/06/2003		11/06/2023		11/06/2029		11/06/2039		11/06/2046	
	00/00/0000	शुक्र	11/10/2006	सूर्य	29/09/2023	चंद्र	11/04/2030	मंगल	08/11/2039
	00/00/0000	सूर्य	11/10/2007	चंद्र	30/03/2024	मंगल	10/11/2030	राहु	25/11/2040
	00/00/0000	चंद्र	11/06/2009	मंगल	04/08/2024	राहु	11/05/2032	गुरु	01/11/2041
	00/00/0000	मंगल	11/08/2010	राहु	29/06/2025	गुरु	10/09/2033	शनि	11/12/2042
	04/08/1999	राहु	11/08/2013	गुरु	17/04/2026	शनि	12/04/2035	बुध	08/12/2043
राहु	30/05/2000	गुरु	11/04/2016	शनि	30/03/2027	बुध	10/09/2036	केतु	05/05/2044
गुरु	05/05/2001	शनि	11/06/2019	बुध	04/02/2028	केतु	11/04/2037	शुक्र	05/07/2045
शनि	14/06/2002	बुध	11/04/2022	केतु	11/06/2028	शुक्र	11/12/2038	सूर्य	10/11/2045
बुध	11/06/2003	केतु	11/06/2023	शुक्र	11/06/2029	सूर्य	11/06/2039	चंद्र	11/06/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/06/2046		11/06/2064		11/06/2080		11/06/2099		12/06/2116	
11/06/2064		11/06/2080		11/06/2099		12/06/2116		00/00/0000	
राहु	21/02/2049	गुरु	30/07/2066	शनि	14/06/2083	बुध	08/11/2101	केतु	08/11/2116
गुरु	18/07/2051	शनि	09/02/2069	बुध	22/02/2086	केतु	05/11/2102	शुक्र	08/01/2118
शनि	24/05/2054	बुध	18/05/2071	केतु	02/04/2087	शुक्र	05/09/2105	सूर्य	16/05/2118
बुध	10/12/2056	केतु	23/04/2072	शुक्र	02/06/2090	सूर्य	13/07/2106	चंद्र	15/12/2118
केतु	29/12/2057	शुक्र	23/12/2074	सूर्य	15/05/2091	चंद्र	12/12/2107	मंगल	13/05/2119
शुक्र	29/12/2060	सूर्य	11/10/2075	चंद्र	13/12/2092	मंगल	08/12/2108	राहु	05/08/2119
सूर्य	22/11/2061	चंद्र	09/02/2077	मंगल	22/01/2094	राहु	28/06/2111		00/00/0000
चंद्र	24/05/2063	मंगल	16/01/2078	राहु	28/11/2096	गुरु	03/10/2113		00/00/0000
मंगल	11/06/2064	राहु	11/06/2080	गुरु	11/06/2099	शनि	12/06/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 10 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।